श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 268 फरवरी, 2026

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

पसीघाट के कृषि छात्रों का श्री अन्न एकक दौरा

कृषि महाविद्यालय, पसीघाट, अरुणाचल प्रदेश के विज्ञान स्नातक (कृषि) अंतिम वर्ष के 30 छात्रों ने अध्ययन दौरे के अंतर्गत, 2 फरवरी 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। यात्रा के दौरान, छात्रों को श्री अन्न प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का दौरा कराया गया, तथा श्री अन्न के महत्व, श्री अन्न किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों, श्री अन्न किउसं को बढ़ावा देने, श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने में श्री अन्न किउसं की भूमिका तथा किसान आजीविका के बारे में बताया गया। इस दौरे ने छात्रों को श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, श्री अन्न मूल्यवर्धन तथा उद्यमिता में व्यावसायिक अवसरों से परिचित कराया। उन्होंने विभिन्न माध्यमिक प्रसंस्कर ण कार्यों तथा पल्वराइज़र, रवा मेकर, चक्की मिलों, वाइब्रो सिफ्टर और पैकेजिग मशीनों जैसे उपकरणों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी देखे।

श्री अन्न प्रसंस्करण तथा उद्यमिता अवसरों के संबंध में केंकृविवि, मेघालय के छात्रों का ज्ञानवर्धन

युवाओं को आधुनिक श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी तथा उभरते हुए व्यवसाय के अवसरों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के अंतर्गत आने वाले मेघालय के किरदेमकुलई कृषि महाविद्यालय के प्राकृतिक खेती में विशेषज्ञता वाले विज्ञान स्नातक (कृषि) के तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 4 फरवरी 2026 को एक शैक्षिक ज्ञानवर्धन दौरा आयोजित किया गया। इस दौरे के दौरान मूल्यवर्धित उत्पाद विकास और कृषि-व्यवसाय उद्यम में श्री अन्न की बढ़ती क्षमता के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को उन्नत श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, उत्पाद विविधिकरण तथा बजारोन्मुख नवोन्मेश के बारे में बताया गया। इस दौरे में श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने, आय के अवसर बढ़ाने तथा छोटे व सीमांत किसानों की आजीविका सुधार में श्री अन्न किउसं की अहम भूमिका पर भी बल दिया गया। इसके अलावा, छात्रों को श्री अन्न, ब्रांडिग तथा बाजार संपर्क सहित श्री अन्न-आधारित व्यवसाय का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद तथा नोडल अधिकारी (एनईएच) ने इस दौरे का समन्वय किया।

राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी कार्मिकों का क्षमता निर्माण

सरकारी अधिकारियों की सेवोन्मुख एवं पेशेवर क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में 9 फरवरी 2026 को राष्ट्री य कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, इक्रिसेट, भाकृअनुप-रासनाप्रअनुसं, भाकृअनुप-भाकृअनुसं (झारखंड), भाकृअनुप-भासअनुसं, तथा भाकृअनुप-केंउबासं जैसे विविध भाकृअनुप संस्थानों तथा साझेदार संगठनों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण 'राष्ट्रीय कर्मयोगी' की भूमिका एवं दायित्व, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सेवा के सार्थक अनुभव तथा राष्ट्र -निर्माण में सरकारी कर्मचारियों के योगदान जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित थी। भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की ओर से डॉ. संगप्पा (वरिष्ठ वैज्ञानिक) तथा श्री शिव प्रसाद पेरुमल्ला (प्रशासनिक अधिकारी) ने संवादात्मक सत्रों एवं व्यावहारिक अभ्यासों द्वारा प्रतिभागियों को सार्वजनिक सेवा मूल्यों तथा संस्थागत एवं राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ अपनी दायित्वपूर्ण भूमिकाओं के महत्व को समझने में सहायता की। यह कार्यक्रम एकीकृत ऑनलाइल सरकारी प्रशिक्षण मंच (आईगॉट) के माध्यम चलाया गया, जिससे डिजिटल शिक्षा, स्वयं मूल्यांकन तथा प्रमाणन संभव हुआ। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के नेतृत्व में, डॉ. संगप्पा एवं श्री शिव प्रसाद के द्वारा तकनीकी समन्वय तथा सुझावों के साथ कार्यक्रम को सुकर बनाया गया।

श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्य शृंखला विकास पर कृविकें प्रमुखों का ज्ञानवर्धन दौरा

भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुखों तथा अलग -अलग राज्यों के कृषि वैज्ञानिकों ने प्रबंधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अन्न के कटाई उपरांत प्रबंधन कार्यों पर ज्ञानवर्धन हेतु 9 फरवरी 2026 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, व्यवसाय के अवसरों एवं भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित श्री अन्न आधारित मूल्य शृंखला को जानना था। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद स्थित श्री अन्न प्रशिक्षण और श्री अन्न एकक में श्री अन्न श्री अन्न तकनीक, प्रचालन प्रक्रिया, मूल्यवर्धन तथा सफल व्यवसाय मॉडल की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, सामूहिक विपणन, एकत्रीकरण तथा श्री अन्न आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने में श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) की भूमिका पर भी चर्चा हुई। इस अनुभव से कृविकें प्रमुखों को श्री अन्न उत्पादन, तथा मूल्यवर्धन में व्यावहारिक ज्ञान एवं प्रचालन संबंधी जानकारी मिली, जिससे उन्हें अपने-अपने जिलों में किसान प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा विस्तार कार्यक्रम के माध्यम से इन कौशल के प्रसार में सहायता मिलेगी। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

कर्नाटक के कृषि छात्रों को श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का ज्ञानवर्धन

कृषि महाविद्यालय, गंगावती तथा कृषि महाविद्यालय, हगरी, बेल्लारी, कर्नाटक के 62 छात्रों ने शैक्षिणिक दौरे के अंतर्गत श्री अन्न अनुसंधान तथा मूल्य शृंखला विकास के बारे में ज्ञानवर्धन हेतु 18 फरवरी 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने छात्रों को सतत कृषि तथा पोषण सुरक्षा में श्री अन्न की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में संस्थान के कार्यों की जानकारी दी। छात्रों को भाश्रीअनुसं स्थित श्री अन्न प्रशिक्षण तथा प्रसंस्करण एकक में कटाई उपरांत श्री अन्न प्रसंस्करण तथा उत्पाद निर्माण प्रक्रिया से भी परिचित कराया गया। श्री अबूसेट, किउसं-नेस्ट इकाई ने सामूहिक विपणन तथा मूल्य वर्धित उद्यमों के माध्यम से श्री अन्न जागरूकता को बढ़ावा देने में श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों की भूमिका के बारे में बताया।

मध्यभारत किउसं परिसंघ के किसानों का श्री अन्न एकक दौरा

मध्यभारत किसान उत्पादक संगठन परिसंघ के 100 किसानों के एक दल ने 19 फरवरी 2026 को भाकृअनुप –भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। श्री अन्न पर उन्नत शोध, प्रसंस्करण तकनीकों तथा उद्यम विकास के अवसरों की प्रत्यक्ष जानकारी के लिए यह दौरा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. संगप्पा तथा श्री के श्रीनिवास बाबू ने सहभागियों को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान पहलों के बारे में जानकारी दी एवं सतत आजीविका तथा मूल्य शृंखला विकास को बढ़ावा देने में श्री अन्न-आधारित किउसं की भूमिका पर प्रकाश डाला। किसानों को संस्थागत सहायता तथा भाश्रीअनुसं -प्रवर्तित किउसं के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से श्री अन्न-आधारित उद्यम शुरू करने के विविध अवसरों के बारे में बताया गया। सहभागियों को कटाई उपरांत श्री अन्न एकक में ले जाया गया, जहां उन्हें श्री अन्न की सफाई, छिलका हटाने, मिलिंग तथा मूल्यवर्धन प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। आधुनिक श्री अन्न उपकरणों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन से किसानों को दक्षता, उत्पाद गुणता एवं बाजार प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी अंगीकरण का महत्व पता चला। ज्ञानवर्धन दौरे में बाजार पहुंच बढ़ाने, लेन-देन लागत कम करने तथा किसानों की आय बेहतर करने के लिए किउसं के माध्यम से मिलकर कार्य करने पर भी बल दिया गया। श्री के श्रीनिवास बाबू, वैज्ञानिक तथा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने किउसं नेस्ट दल के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का समन्वय किया, जिससे सहभागियों में प्रभावी जानकारी प्रसार तथा परस्पर शिक्षा सुनिश्चित हुई।

थंडवा वैली एफपीसीएल में खरीद तथा श्री अन्न सुविधाओं का कार्य -स्थल पर मूल्यांकन

डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना के मार्गदर्शन में डॉ. रफी और सुश्री रश्मिता ने 25 फरवरी 2026 को थांडवा वैली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में खरीद तथा श्री अन्न सुविधाओं का ऑन -साइट मूल्यांकन किया। यह दौरा संस्थागत खरीद प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा अलग-अलग पहलों के अंतर्गत निर्मित आधारिक ढांचे के उपयोग का आकलन करने के उद्देश्य से किया गया। दल ने किउसं ढांचे के माध्यम से सुकर एकत्रीकरण तंत्र, खरीद प्रक्रिया तथा बाजार संपर्क व्यवस्था की समीक्षा की, जिससे प्रचालन दक्षता तथा व्यवसाय प्रदर्शन के बारे में जानकारी मिली। खरीद प्रक्रिया, मूल्य वसूली तंत्र तथा प्रक्षेत्र स्तरीय चुनौतियों को समझने के लिए सदस्य किसानों, निदेशक मंडल तथा प्रचालन कार्मिकों के साथ चर्चा की गई। मूल्यांकन में खरीद तथा श्री अन्न गतिविधियों पर प्रभावीकारी रुकावटों की पहचान करने पर भी ध्यान दिया गया। इसके अलावा, आईसीआसीआई फाउंडेशन सीएसआर पहल के माध्यम से प्रदान उपकरणों तथा वैश्विक श्री अन्न उत्कृष्ट शोध केन्द्र डीएसपी परियोजना के अंतर्गत स्थापित मशीनों के उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया ताकि संसाधनों का प्रभावी उपयोग एवं प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित हो सके। इस दौरे से खरीद तंत्र को सुदृढ़ करने, आधारिक ढांचे के बेहतर उपयोग एवं किउसं की प्रचालन दक्षता बढ़ाने हेतु आवश्यक सुझाव मिले।

कर्नाटक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं की निगरानी तथा प्रचालन समीक्षा

कर्नाटक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित किउसं की 23 फरवरी से 1 मार्च 2026 के दौरान प्रक्षेत्र निगरानी तथा परिचालन समीक्षा की गई। यह दौरा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना के मार्गदर्शन में श्री अनूप, किउसं-नेस्ट दल के द्वारा किया गया। समीक्षा में रायचूर, कलबुर्गी तथा विजयपुर जिलों के किउसं शामिल थे। दौरे के दौरान, परिचालन प्रदर्शन, बुनियादी ढांचा सुविधाओं, मशीनों के उपयोग तथा जारी व्यावसायिक गतिविधियों का आकलन करने के लिए निदेशक मंडल के साथ बैठकें आयोजित की गईं। कार्यक्रम का ध्यान आगामी तिमाही के लिए योजना एवं कार्य-नीति चर्चाओं के माध्यम से संस्थागत कामकाज को सुदृढ़ करने पर केंद्रित था। बाजार पहुंच एवं राजस्व सृजन में सुधार के लिए नींबू स्क्वैश, लाल चना दाल तथा अन्य किउसं उत्पादों जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए बाजार संबंधों को सुविधाजनक बनाने के प्रयास भी किए गए। इस दौरे से किउसं के प्रभावी कामकाज एवं निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रचालन सहायत मिली।

प्रेमा साई एफपीसीएल में काजू संग्रहण तथा प्रसंस्करण पहल की प्रक्षेत्र स्तरीय समीक्षा

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित किउसं की निरंतर निगरानी के अंतर्गत प्रेमा साई फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीसीएल) में काजू एकत्रीकरण एवं श्री अन्न गतिविधियों की प्रक्षेत्र-स्तरीय समीक्षा की गई। दौरे के दौरान, किउसं की प्रचालन प्रगति तथा संस्थागत विकास को समझने के लिए काजू संग्रहण केंद्र का मूल्यांकन किया गया। नाबार्ड से प्राप्त इक्विटी अनुदान के उपयोग की समीक्षा करने व व्यवसाय गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए उचित कार्यनीति की पहचान करने के लिए अंशधारक किसानों एवं निदेशक मंडल के साथ एकत्रीकरण तंत्र, श्री अन्न दक्षता बढ़ाने तथा काजू में मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने पर केंद्रित चर्चा की गई। किउसं नेतृत्व ने श्री अन्न क्षमता बढ़ाने तथा लाभप्रदता में सुधार के लिए एक स्वचालित काजू छीलने वाली मशीन खरीदने की योजना भी साझा की। इस दौरे से प्रक्षेत्र-स्तरीय जानकारी मिली, व्यवसाय योजना पर तकनीकी मार्गदर्शन मिला तथा किउसं की निरंतर वृद्धि के लिए संस्थागत सहायता के प्रभावी उपयोग पर बल दिया गया। यह दौरा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के दिशानिर्देश में डॉ. रफी तथा सुश्री रश्मिता ने किया।

नाबार्ड डीडीएम द्वारा व्यवसाय विस्तार के अवसरों हेतु रैतु भारत किउसं के द्वारा प्रक्षेत्र निगरानी दौरा

ज़िला विकास प्रबंधक (डीडीएम), नाबार्ड तथा डॉ. संगप्पा व डॉ. रफी, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 26 फरवरी 2026 को विजयनगरम जिले में एस कोटा रैतु भारत किसान उत्पादक संगठन (किउसं) का संयुक्त निगरानी दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य किउसं की वर्तमान प्रचालन गतिविधियों की समीक्षा करना तथा व्यवसाय बढ़ाने के संभावित तरीकों की पहचान करना था। वर्तमान प्रदर्शन, संस्थागत कामकाज व वृद्धि की संभावनाओं का आकलन करने के लिए निदेशक मंडल तथा सदस्य किसानों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य चर्चाएं प्रस्तावित ग्राम दुकान मॉडल पर केंद्रित थीं, जिसमें खेती आगत की आपूर्ति तथा किउसं द्वारा तैयार चीज़ों के विपणन के लिए ग्राम-स्तर पर खुदरा दुकान बनाने की बात कही गई। इस पहल से किउसं के लिए बाजार पहुंच एवं राजस्व वसूली को बढ़ाते हुए अंतिम चरण तक आगत वितरण को सुदृढ़ करने की संभावना है।

टेकमल किउसं में कस्टम हायरिग सेंटर और किसान परामर्श कियोस्क की स्थापना

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सहयोग से 24 फरवरी 2026 को टेकमल मंडल किउसं में एक कस्टम हायरिग सेंटर तथा किसान सलाहकार सेवा कियोस्क की स्थापना की। इस पहल का उद्देश्य कृषि मशीनीकरण तथा डिजिटल सलाहकार सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना है, जिससे शुरुआत में लगभग 500 छोटे एवं सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा, तथा इसके विस्तार की संभावनाएं हैं। क्रॉपसिन द्वारा संचालित सलाहकार कियोस्क उचित समय पर फसल कार्यों, पीड़क प्रबंधन, मौसम के अद्यतन एवं बाजार की जानकारी में सहायता प्रदान करता है। श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा तथा डॉ. रफी ने किउसं सदस्यों, स्वयं सहायता समूह एवं हितधारकों की उपस्थिति में लगभग 120 किसानों की भागीदारी के साथ सुविधाओं का उद्घाटन किया। कटाई, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन के लिए मशीनों से लैस यह पहल किउसं क्षमता को सुदृढ़ करती है, किसानों के निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाती है तथा सतत आजीविका में सहायता करती है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में कृषि हेतु भारत के कृत्रिम मेधा (एआई)-आधारित डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचे 'भारत-विस्तार' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ

भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने खेती के लिए कृत्रिम मेधा (एआई)-सक्षम डिजिटल सार्वजनिक आधारिक संरचना (डीपीआई) भारत-विस्तार के राष्ट्रीय शुभारंभ के सीधे प्रसारण में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम 17 फरवरी 2026 को जयपुर में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुआ। श्री शिवराज सिह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने श्री भजनलाल शर्मा, माननीय मुख्य मंत्री, राजस्थान की उपस्थिति में इस मंच का उद्घाटन किया। भारत-विस्तार एक बहुभाषी एआई मंच है जो किसानों को मोबाइल या फोन कॉल के माध्यम से 24×7 खेती में सहायता देता है। इसके आवाज सहायक “भारती” (155261 डायल करें) के माध्यम से, किसान एक ही जगह पर फसल सलाह, पीड़क तथा रोग प्रबंधन, मौसम अद्यतन, बाजार की जानकारी, सरकारी योजना तथा शिकायत सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने श्री अन्न अनुसंधान, जलवायु-अनुकूल खेती तथा बाजार संपर्क को सुदृढ़ करने में ऐसे एआई-चालित मंच की भूमिका पर प्रकाश डाला।

पुरस्कार

डॉ. राजेशा जी, वैज्ञीनिक क हैदराबाद में 26-28 फरवरी, 2026 के दौरान अनुकूलित कृषि तथा कृषि निर्यात संवर्धन हेतु पादप स्वास्थ्य में नवोन्मेष पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **थ्योर्टी टील्ध्डन एसू सिएशन ऑफ इंडिया फील** घोषित किया गया

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. संगप्पा	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2026	कृषि विभाग, कर्नाटक सरकार	बैंगलुरु	प्रत्यक्ष	6 – 8 फरवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, वसंतदादा शुगर इंडस्ट्रीज तथा इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के बीच सहयोग	इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	ऑनलाइन	11 फरवरी, 2025
डॉ. संगप्पा तथा ए श्रीनिवास	राष्ट्रीय श्री अन्न कार्यशाला तथा किसान मेला, झांसी	रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश	झांसी, उत्तर प्रदेश	प्रत्यक्ष	14 – 15 फरवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	असम कृषि आयोग के अध्यक्ष और भाकृअनुप-भाकृअनुसं, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. एच एस गुप्ता की अध्यक्षता में 43वीं वर्तमान किस्म सिफारिश समिति (ईवीआरसी) की बैठक में सदस्य-विषय विशेषज्ञ।	पौकिकृअधिसंप्रा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली	प्लांट अथॉरिटी भवन, नई दिल्ली	ऑनलाइन	16 फरवरी, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	जयपुर में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक पार्श्व कार्यक्रम के रूप में, कृषि में एआई के लिए डिजिटल सार्वजनिक आधारिक संरचना- भारत विस्तार का राष्ट्रीय शुभारंभ	भारत सरकार, नई दिल्ली	भारत सरकार, नई दिल्ली	ऑनलाइन	17 फरवरी, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	फसल एवं खाद्य विज्ञान विभाग का दौरा तथा उन्नत श्री अन्न प्रौद्योगिकी एवं मूल्यवर्धन पर तकनीकी तथा द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग पर चर्चा	फसल एवं खाद्य विज्ञान, प्राथमिक उद्योग विभाग, क्वीसलैंड सरकार, ऑस्ट्रेलिया	फसल एवं खाद्य विज्ञान, प्राथमिक उद्योग विभाग, क्वीसलैंड सरकार, ब्रिस्बेन	प्रत्यक्ष	22-27 फरवरी 2026
डॉ. महेश कुमार	भारती - बहुभाषा सारथी पर कार्यशाला	क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार	निम्समे, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	26 फरवरी, 2026

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	तिथि	सहभागियों की संख्या
कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम - राष्ट्रीय प्रशिक्षण	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	9 फरवरी, 2026	35
महिला किसानों के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन पर कौशल विकास प्रशिक्षण	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और सेल्कोस फाउंडेशन	14 फरवरी, 2026	60
गिरिसिरी आदिवासी किउसं किसानों के लिए फल मूल्यवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	ईएसएएफ, फाउंडेशन तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	27 - 28 फरवरी 2026	30

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डी रेवती, डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएयू) मुतुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in